Seventeenth Loksabha

pan>

Title: Need to develop Kishangarh Marble granite market as marble hub and to reduce GST duty on Mobile Industry.

श्री भागीरथ चौधरी (अजमेर): अध्यक्ष महोदय, आपका बहुत-बहुत आभार, बहुत-बहुत धन्यवाद।

महोदय, भारत में राजस्थान प्रदेश मार्बल एवं ग्रेनाइट उत्पादन का सबसे बड़ा केंद्र होने के साथ-साथ कृषि के बाद सबसे ज्यादा रोज़गार देने वाला व्यवसाय है। वर्तमान में प्रदेश के 33 जिलों में से 23 जिलों में मार्बल एवं ग्रेनाइट के खनन और उत्पादन का कार्य हो रहा है। इसमें लगभग 50 लाख लोग प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं।

वर्तमान में पूरे प्रदेश में मार्बल एवं ग्रेनाइट की लगभग 3,000 इकाईयां संचालित हैं। ये सभी सूक्ष्म एवं लद्यु उद्योग की परिभाषा में आती हैं, जो कि देश के सकल घरेलू उत्पादन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, लेकिन वर्तमान में उक्त दोनों उत्पादनों पर दिनांक 10.11.2017 से जीएसटी की दर 18 प्रतिशत चली आ रही है।

जीएसटी की दर तय करते समय सूक्ष्म एवं लद्यु उद्यमों की भारी उपेक्षा की गई। उनकी अनदेखी का परिणाम है कि पूर्व में उत्पादन पर सेल-टैक्स की दर पांच परसेंट थी। उक्त दर के चलते गत ढाई वर्षों में इन दोनों उत्पादनों के खनन एवं प्रसंस्करण में संभावित नया निवेश थम सा गया है। वहीं दूसरी ओर जीएसटी की दर 18 प्रतिशत रहने से आने वाले समय में संभावित निवेश पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

अध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से खनिज मंत्री जी से निवेदन करना चाहूंगा कि वर्तमान में कोरोना महामारी के चलते वैश्विक मंदी के चलते हजारों इकाईयों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। इसके चलते मार्बल एवं ग्रेनाइट का विशाल व्यापार भी चौपट होने की संभावना है।

महोदय, आपके माध्यम से केन्द्रीय वित्त मंत्री महोदया से मेरा करबद्ध निवेदन है कि आगामी जीएसटी अनुसूची में परिवर्तन के समय राजस्थान प्रदेश में मार्बल एवं ग्रेनाइट उत्पादन की वर्तमान जीएसटी दर 18 प्रतिशत से पांच प्रतिशत करने की कृपा करें। यह सर्वविदित है कि किसी भी उद्योग में नए निवेश से उछाल आता है

और निवेशकों को आकर्षित करने का यह सहज और सरल उपाय है कि करों में छूट प्रदान की जाए।

महोदय, मैं आखिर में यही कहना चाहूंगा कि अजमेर जिले में किशनगढ़ मार्बल एवं ग्रेनाइट मंडी है, उसको मार्बल हब घोषित किया जाए, ताकि वहां से ज्यादा से ज्यादा एक्सपोर्ट किया जाए। इससे हमारे देश में ज्यादा से ज्यादा मुद्रा आएगी। आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष:

कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री भागीरथ चौधरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

डॉ. सुभाष सरकार – क्या आप बंगाली में बोलेंगे?